







# सम्पादकीय

अभियक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,  
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

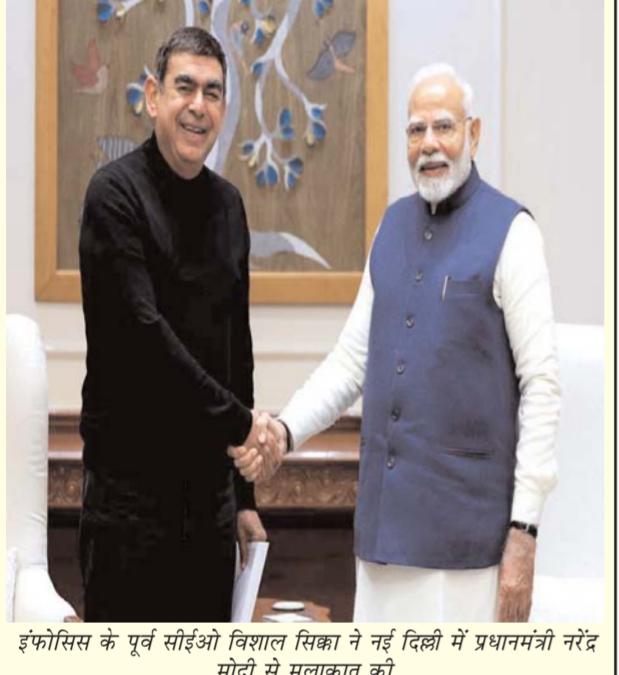
## भ्रष्टाचार की दुर्गम्य महसूस

समझा जा सकता है कि पब्लिक- प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर बनीं सड़कों का कैसा अनुचित बोझ सड़क यूजर्स पर डाला गया गया है। अगर अतार्किक फॉर्मूले को अधिकारियों ने मंजूरी दी, तो क्या इसमें भ्रष्टाचार की दुर्गंध महसूस नहीं की जानी चाहिए? दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) मार्ग पर टॉल वसूली में घपले पर सीएजी की रिपोर्ट और उस आधार पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक मिसाल है। ऐसे मामले देश में कहाँ-कहाँ और कितनी संख्या में होंगे, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। इस मार्ग पर प्राइवेट फर्म- नोएडा टॉल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (एनटीबीसीएल) के टॉल वसूलने पर 2016 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रोक लगाई थी। इसके पहले सीएजी रिपोर्ट से टॉल तय करने में बड़ी गड़बड़ी का खुलासा हुआ था। बीते हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। उसने एनटीबीसीएल के साथ-साथ नोएडा प्रशासन के खिलाफ भी कड़ी टिप्पणियां कीं। सुप्रीम कोर्ट ने जिन गड़बड़ियों की ओर ध्यान दिलाया, उनमें शामिल हैं: एनटीबीसीएल ने अपने अधिकारियों की अत्यधिक तनखाह, भत्तों आदि को पुल निर्माण लागत में जोड़ा। इसके अलावा 11 करोड़ रु. लीगल खर्च, चार करोड़ रु. यात्रा खर्च, और 33 करोड़ के डीप डिस्काउंट बॉन्ड देने पर हुआ खर्च भी इसमें शामिल किया गया। कॉरपोरेट गिफ्ट्स की खरीदारी के एवज में हुए सवा 72 लाख रुपये के खर्च को भी जोड़ा गया। इन सबसे बताई गई लागत रकम बढ़ती चली गई। और इस आधार पर टॉल तय हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने टॉल तय करने के इस फॉर्मूले को सिरे से अतार्किक बताया और इस आधार पर एनटीबीसीएल को अनिश्चित काल तक टॉल वसूलने की मंजूरी देने वाले अधिकारियों की गैर-जिम्मेदारी की आलोचना की। तो अब समझा जा सकता है कि पब्लिक- प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर बनाई गई और बन रहीं सड़कों का कैसा अनुचित बोझ सड़क यूजर्स पर डाला गया गया है। अगर अतार्किक फॉर्मूले को अधिकारियों ने मंजूरी दी, तो क्या इसमें भ्रष्टाचार की दुर्गंध महसूस नहीं की जानी चाहिए? अनुमान लगाया जा सकता है कि सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के इस चलन में राजनेता, ठेकेदार, अधिकारी और प्राइवेट कंपनियों- सबका फायदा है। नुकसान केवल आम यूजर उठा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अब कई शहरों में दोपहिया वाहन चालकों से भी टॉल टैक्स वसूला जा रहा है। तो क्या अब वक्त नहीं आ गया है कि इस पूरे मॉडल पर सवाल खड़े किए जाएं?



भोपाल से जब से यूनियन कार्बाइड का 337 मीट्रिक टन जहरीला कचरा पीथमपुर आने की सूचना मिली, तब से ही पीथमपुर और इंदौर में उसका विरोध शुरू हो गया था। किन्तु जब भोपाल से हाल ही में पीथमपुर 337 मीट्रिक टन कचरा पहुँच गया तो 3 जनवरी को जन आक्रोश भड़क उठा। जन स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी तमाम आशंकाओं से डरे लोगों ने पीथमपुर बंद रखा। दो युवकों ने आत्मदाह की कोशिश की। 7 किलोमीटर लंबा हाईवे पूरा दिन जाम रहा। स्थिति उग्र हो गई। कई बार पथराव हुआ। पुलिस ने लाठी चार्ज भी किया। जन आक्रोश को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संवेदनशीलता दिखाई और शुक्रवार 3 जनवरी को ही देर रात कैबिनेट की विशेष बैठक बुलाकर यह निर्णय लिया कि पीथमपुर में भेजा गया जहरीला कचरा अभी नहीं जलेगा। राज्य सरकार जन भावनाओं को कोर्ट के सामने रखेगी। मुख्यमंत्री ने इस समस्या पर कहा कि नागरिकों के जीवन को खतरा हो, ऐसा कोई कदम मध्यप्रदेश सरकार नहीं उठाएगी। अभी पीथमपुर में कचरा ढंब किया गया है। उसे फिलहाल नहीं जलाया जायेगा। कोर्ट के सामने जनभावनाएं

हल चर्चाओं में है शराब कंपनी के मालिक द्वारा प्रदूषण मण्डल आरओ की सुरक्षाकर्मियों से पीटाई की खबर चुप क्यों सरकार, प्रशासन ?



प्राप्त ही नहीं हुआ पता नहीं कौन ने गायब कर दिया ? इस बात को लेकर आज भी नीमच के वह आम आदमी पार्टी के नेता नवीन कुमार अग्रवाल और उनके सहयोगी इस खोल में लगे हुए हैं हालांकि उन्होंने लोकायुक्त के यहां से सूचना के अधिकार के तहत यह जानकारी प्राप्त कर ली है कि उन्हें नंदकुमारम का नयागांव परिवहन चौकी पर पड़े छापे के संबंध में कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है । ठीक यही स्थिति इन दिनों मध्यप्रदेश के शराब कंपनी के मालिक द्वारा अपने सुरक्षा कर्मियों के द्वारा मध्यप्रदेश प्रदूषण मण्डल बोर्ड के आरओ जिनकी कलाकारी से इस मध्यप्रदेश में इस समय ठीक लगभग वैसा ही प्रदूषण फैल रहा है जैसा कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार के कार्यकाल में फैल रहा है लेकिन मजे की बात यह है कि भाजपा के नेता केजरीवाल की सरकार में दिल्ली में फैले वायु प्रदूषण को लेकर तो हो हल्ला कर रहे हैं, लेकिन इसी मप्र में कोई दिल्ली से कम आवोहवा खराब नहीं है ? लेकिन इस मामले में कोई मुंह नहीं खोल रहा है, क्योंकि यह मामला भाजपा की डबल इंजन की सरकार का मामला है जिसमें प्रदूषण मण्डल के आरओ की कास्तानी की बदौलत इंदौर में जहां इन्हा वायु प्रदूषण खराब है कि वहां प्रतिवर्ष दो हजार लोगों की असामाधिक मौत प्रतिवर्ष होती है ? लेकिन मजे की बात यह है कि उस जिले के प्रभारी मंत्री स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हैं और वहां के आरओ अपने आपको प्रदेश के इसी सरकार के उपमुख्यमंत्री के साथ पढ़ाई करने की इतनी दबंगाई दिखा रहे हैं कि वह अपने आपको उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से कम नहीं समझ रहे हैं ? तभी तो इंदौर और उसके आसपास पीथमपुर, देवास ही नहीं बल्कि वह आदिवासी बाहुल्य जिला झावुआ के मेघनगर इंडस्ट्रीज एरिया की

‘तो कांग्रेस 2025 बहुत उत्साह से शुरू करती लेकिन कहीं उत्साह नहीं’

## शकील अखूतर

हरियाणा नहीं गंवाया होता तो महाराष्ट्र में यह नहीं होता। और 2025 कांग्रेस बहुत शुरू करती। लेकिन उत्साह कहीं नहीं है। आप सिर्फ़ ऐसे चला आएंगे जो अपने जाकर अध्यक्ष बन देंगे। अब तक तो सब ही जाना चाहिए था। जिनके हेड रोल्स (सख्त सज़ा) होना थे हो जाना चाहिए थे। और जिन नए लोगों को मौका मिलना था मिल जाना चाहिए था।

पा जिसम होना चाहिए वह अपना कता से निकल ही नहीं पा रही। गुजर गए सिंह से घबरा गई। उनके खिलाफ मुहिम शुरू कर दी। गांधी नेहरू से लेकर सिंह सब खराब हैं। और इनमें सबसे उपर नाका निताना था नहीं जाना आहूद था।

बेलगावी की सीडल्यूसी में एक बात बहुत खास कही गई है। अगर इन लोगों ने खरागे, राहुल, प्रियंका ने कर दी तो कंग्रेस का रूप चेंज हो जाएगा। वह बात कही गई है कि हम संगठन के लिए दो-दो बालों को बचाना चाहते हैं।

नमंत्री नंदें मोदी का तीसरा कार्यकाल है। वे बतौर प्रधानमंत्री 11 वर्ष पूरे करेंगे। वे आर प्रधान मंत्री बने हैं। मीडिया ने बहुत कुछ नेटवर्क के रिकार्ड की बगबगी। लोगों को दुष्ट कर निकालेंगे। यह काम इन्दिरा गांधी करती थीं। जनता में से पार्टी के सम्पेथाइजर निकालना, उनमें से कार्यकर्ता बनाना और कार्यकर्ताओं को नेता बनाना। संगठन का तरीका ही यही है। आज की कांग्रेस को तो करना सीखा। मतलब खेले तो अच्छा और जीते भी। देखते हैं 2025 जिसके बारे में कांग्रेस ने अपनी बेलगावी सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में बड़ी घोषणाएं की हैं क्या होता है संगठनका महत्व है अपना। मगर नेतृत्व का सबसे ज्यादा है। नेतृत्व

नेहरू जब तक प्रधनमंत्री रहे 1964 तक उनके काम ही चर्चा के केन्द्र में रहे। और 1964 के बाद आज तक भी वे ही टाक आफ (जिसकी हर जगह चर्चा होती है, सिफरे दो दो दो दो) सिम्प्लेथाइजर शब्द मालूम ही नहीं होगा।

कार्यकर्ता को तो भूल ही गए हैं। और नेता वही दिखते हैं जो इस गोदी मीडिया को खुश करके उसमें खुद को दिखाते रहते हैं पिता नहीं राहुल प्रियंका के दिमाग में यह सवाल आता है कि नहीं कि इनसे पढ़े अपने नेताओं को जवाबदेह बनाने वाला होना चाहिए। इन्दिरा गांधी का नेतृत्व तो डर पैदा करता था डर इस बात का कि नेता गलत करेगा तो बचेगा नहीं। 1980 वापसी करते ही अर्जुन सिंह को बना दिया था मध्य पटेंश का मध्यमंत्री। सारे बड़े बड़े

बातें होती हैं) हैं नया साल शुरू हुआ है। बार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम की है। मगर नेहरू को रिप्लेस करके अगर जगह चर्चा के केन्द्र में आता है तो वह फिर तै है। 11 साल से या साढ़े दस साल कहे ही हैं। मगर चाहे मीडिया हो या सत्तारूढ़ जपा और या मोदी सरकार सब 2024 के हले और 2025 के आने के बाद भी राहुल द कर रहे हैं। वह तो हाथ में आया हरियाणा या नहीं तो इस समय खाली याद ही नहीं तोते राहुल दिमाग में छाया होता। फोबिया होकर सभा चुनाव में शानदार ढंग से मोदी जी पर रोक लिया था यह वैसा ही था जैसा विधानसभा चुनाव में गुजरात में इसी राहुल को 99 पर रोका था। मगर कन्सिस्टेन्सी (CIS) जिसे भारतीय क्रिकेट टीम भी बार बार नहीं है नहीं रख पाने के कारण फिर अपने को नया मौका दे देती है। हरियाणा में यही कहा। राहुल ने बहुत लूज शाट खेला कहकर कि यह आपस में लड़ जाते हैं फिर करने का काम मेरा है गुटबाजी की बात न्की नहीं थी कि राहुल इस तरह का शाट खेल देते। मगर राजस्थान में भी इस ना और नतीजा वही हुआ। मैच गंवा गया बेलगावी कर्नाटक के सीडब्ल्यूसी में ही है कि यह साल 2025 संगठन का साल देखते हैं। संगठन को लेकर क्या सोच है दिमाग म यह सबल आता है कि नहा कि इनस पूछ कि तुम्हें यह मीडिया इतना दिखा कैसे देता है? जो रात दिन हम लोगों को कोसता रहता है। कांग्रेस के नाम में ही कीड़े निकालता रहता है वह तुमसे किस बात पर खुश है? मीडिया कांग्रेस के नाम पर खरगो, राहुल, प्रियंका को दिखाए, कांग्रेस की बातें बताए तब तो पार्टी को कुछ फायदा है। बरना इन कुछ नेताओं के मीडिया में चमकने से कांग्रेस को क्या फायदा? खैर हरियाणा में कांग्रेस ने अपना बहुत बड़ा नुकसान किया। अगर यह आपस में इस गंदे तरीके से नहीं लड़ते तो ईवीएम की कोशिशें भी शायद असफल हो जातीं ईवीएम एक पहलू है। मगर जब पार्टी खुद ही कमजोर हो जाए तो ईवीएम को तो दूगनी ताकत से अपना खेल करने का मौका मिल जाता है। और मान लीजिए ईवीएम ने हराया तो फिर क्या यह भी मान लें कि आपने कोई गलती नहीं की। कोई नहीं चिल्हा रहा था कि मुझे मुख्यमंत्री बना दो क्या मैं बनुंगा मुख्यमंत्री, मैं बनुंगी के प्रलाप से कोई नुकसान नहीं हुआ? तो फिर पार्टी अध्यक्ष खरगो ने नवंबर में दिल्ली की सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में यह क्यों कहा कि पार्टी के नेता एक दूसरे के हराने में लगे हुए थे? तो अगर हरियाणा नहीं गंवाया होता तो महाराष्ट्र में भी सीन यह नहीं होता। और 2025 कांग्रेस बहुत उत्साह से शुरू करती। लेकिन उत्साह कहीं नहीं है। भाजपा जिसमें होना चाहिए वह अपनी नकारात्मकता से निकल ही नहीं पा रही। गुजर गए मनमोहन सिंह से घबरा गई। उनके खिलाफ नेता पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल प्रकाश चंद सेठी देखते रह गए। नया नेतृत्व पैदा कर दिया था पिता नहीं राहुल अपने मुख्यमंत्रियों से कामों का हिसाब किताब भी मांगते हैं या नहीं? ऐसे ही पार्टी के महासचिवों, प्रदेश अध्यक्षों, डिपार्टमेंट के चैयरमेनों से। यह काम नेतृत्व में किसी को करना पड़ेगा खरगे खुद करें, प्रियंका करें। और राहुल जो वकाई कांग्रेस के सबसे बड़े जननेता हैं वे करें तो सबसे अच्छा। अभी राहुल का समय है। बीजेपी का कोई दांव कामयाब नहीं हो रहा। उनके विदेश जाने को मुद्दा बनाया जा रहा है। मगर नहीं बन रहा। लोग मानने लगे हैं कि राहुल उन जैसे हैं। हिपोक्रेट नहीं हैं। झुठे हार्ड वर्क 16- 18 घंटे काम करने की कहानी नहीं फैलती है। छुट्टी जैसे हम सब मनाते हैं वह भी मनाते हैं। सबको मनाना भी चाहिए। मगर यह जो राहुल का समय है जिसे क्रिकेट में फार्म कहते हैं। हमेशा रहने वाला नहीं है। फार्म को हमेशा अस्थाई माना जाता है। टेंपरी। क्लास को परमानेट। स्थाई। राजनीति में क्लास क्या है? उच्च स्थिति में अपने निर्णयों को मनवाना। मेहनत तो राहुल बहुत करते हैं। जनता में भी बहुत जाते हैं। दो यात्राएं जबर्दस्त रहीं। समाज के अलग कामकाजी समूहों में जा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर लोकसभा में प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। हर काम में परफेक्ट। मगर नेता का काम होता है लोगों से काम लेना। सबसे बड़ा काम वही है।



## जाह्वी कपूर ने इंस्टाग्राम पर शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें, फैस हुए दीवाने



मैडॉक फिल्म का बड़ा धमाका, स्ट्री 3, भेड़िया 2 और महा मुंजा समेत हॉर-कॉमेडी यूनिवर्स की 8 फिल्में अनाउंस, रिलीज तारीख से भी उत्तर पर्दा



2024 में स्ट्री 2 और मुंजा ने अपनी जबरदस्त कहानी से दर्शकों का दिल जीत लिया और तभी से दर्शक इन फिल्मों की अगली कढ़ी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब मेकर्स ने दर्शकों के इंतजार को खत्म करते हुए स्ट्री 3, महा मुंजा और भेड़िया समेत मैडॉक हॉर-कॉमेडी यूनिवर्स की 8 फिल्मों का अनाउंसमेंट किया है। तो आएं जानते हैं ये फिल्में कब रिलीज होगी इनके बड़े पर्दे पर आने के लिए दर्शकों को और किनान इंतजार करना होगा। मैडॉक फिल्म पर ने हाल ही में एक जबरदस्त पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसमें उन्होंने अपकमिंग 8 हॉर-कॉमेडी फिल्मों का अनाउंसमेंट किया। पोस्टर के साथ कैथन लिखा, दिनेस विजान मैडॉक हॉर कॉमेडी यूनिवर्स की 8 फिल्में प्रस्तुत करते हैं जो अपाको हंगाए, खाँफ, रोमांच और चौखों की वाइल्ड राइड पर ले जाएंगी। थामा में असुधारन खुराना, रशिका मंदाना, नवाजुदीन सिद्धीकी, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल जैसे कलाकार होंगे। यह फिल्म 2025 दिवाली के लिए शेष्यूल हुई है। इसके बाद 31 दिसंबर 2025 को शक्ति शालिनी सिनेमाघरों में रिलीज होगी जिसके बारे ज्ञाना डिटेल सामने नहीं आई है। वहाँ बरुण धवन की भेड़िया की सीक्कल भेड़िया 2 साल 2026 में 14 अगस्त के लिए शेष्यूल हुई है। जिसके बाद 4 दिसंबर 2026 को चामुंडा रिलीज होगी। यह फिल्मों की तीसरी किस्स स्ट्री 3 साल 2027 में 13 अगस्त को रिलीज होगी। 2024 में स्ट्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। इसको कहानी, ब्लूमर ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, पकंज त्रिपाठी, अधिकेक बैनर्स ने खास रोल पर किया था। फिल्म में अक्षय कुमार, बरुण धवन का कैमियो था वहाँ तमाज भाटिया ने इसमें सेसेशन डांस किया था। इसी साल रिलीज हुई मुंजा का सीक्कल महा मुंजा 24 दिसंबर 2027 को रिलीज होगी। मुंजा में अभय वर्मा और शरवरी वाप लीड रोल में थीं। वहाँ 2028 के लिए दो फिल्में पहला महायुद्ध 11 अगस्त और दूसरा महायुद्ध 18 अक्टूबर के लिए शेष्यूल किया गया। इनके बारे में ज्ञाना डिटेल सामने नहीं आई है।

इन तस्वीरों में जाह्वी ने दीवां के पास खड़े होकर स्टाइलिंग पोज दिए हैं, जिसमें उनकी अदाएं और भी कातिलाना लग रही हैं। पोस्टर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, पुश 2 स्टार्ट और इस पर फैंस से लेकर सेलेब्रेट तक जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मूणाल थाकुर ने फायर इमोजी के साथ उनकी टाइट लाइट ड्रेस पर लगाए हैं, जो उन्हें एक डिवा लुक दे रहा है। जान्हवी ने अपने लुक को खुले कर्ती बालों और न्यूट ग्लो मेकअप के साथ पूरा किया है। उनकी स्टाइलिंग में शार्प कॉन्ट्रायरिंग और हाइलाइटर का परफेक्ट इस्तेमाल देखा जा सकता है, जो उनके चेहरे पर ग्लो एड करता है।

इन तस्वीरों में जाह्वी ने दीवां के पास खड़े होकर स्टाइलिंग पोज दिए हैं, जिसमें उनकी अदाएं और भी कातिलाना लग रही हैं। पोस्टर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, पुश 2 स्टार्ट और इस पर फैंस से लेकर सेलेब्रेट तक जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मूणाल थाकुर ने फायर इमोजी के साथ उनकी टाइट लाइट ड्रेस पर लगाए हैं, जो उन्हें एक डिवा लुक दे रहा है। जान्हवी ने अपने लुक को खुले कर्ती बालों और न्यूट ग्लो मेकअप के साथ पूरा किया है। उनकी स्टाइलिंग में शार्प कॉन्ट्रायरिंग और हाइलाइटर का परफेक्ट इस्तेमाल देखा जा सकता है, जो उनके चेहरे पर ग्लो एड करता है।

## पुष्पा 2 का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा, वर्ल्डवाइड कमाए 1,799 करोड़, 4 हफ्तों में तोड़ा बाहुबली 2 रिकॉर्ड



अल्फर्डन-रेशमका मंदाना की फिल्म का सबसे ज्यादा कारोबार हिंदी भाषा से हुआ है। दूसरे नंबर पर 13.59 करोड़ रुपये के साथ तेलुगू वर्जन है। तमिल ने 2.15 करोड़ रुपये की कमाई के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि कश्मीर और मलयालम क्रममें 0.19 करोड़ रुपये और 0.07 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ चौथे और पांचवें पायादान पर हैं। 29 दिनों के परफॉर्मेंस के बाद पुष्पा 2 ने भारत में सभी भाषाओं में कुल 1189.85 करोड़ रुपये कोमाए हैं।

पुष्पा 2 हिंदी बैलॅट में शानदार परफॉर्म कर रही है। इसने रिलीज के 29वें दिन 3.75 करोड़ रुपये का विजेनेस किया। हालांकि यह चौथे हफ्ते में 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने में नाकाम रही, लेकिन इसके करीब जरूर पांच गड्ढे कामाए हैं।

मेकर्स के मुताबिक, पुष्पा 2 ने 25 दिनों में 770.25 करोड़ रुपये का विजेनेस किया। वहाँ, 26वें दिन 5.5 करोड़ और 27 वें दिन 6.25 करोड़ रुपये के बाजार के बाजार के बाद एक बार फिर पुष्पा 2 का ग्राह पिरा। 29वें दिन पुष्पा 2 हिंदी वर्जन ने 3.75 करोड़ रुपये के कामाए। जो इसकी कोरी से कर्मचारी वर्जन पर है। 29 दिनों के फर्मोर्मेंस के बाद पुष्पा 2 ने भारत में सभी भाषाओं में कुल 1189.85 करोड़ रुपये कोमाए हैं।

पुष्पा 2 के मेकर्स ने फिल्म के बल्डवाइड कलेक्शन के बारे में अपेक्षित दिया है। मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्रिवर) पर पुष्पराज का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, पुष्पा 2 अपनी रिकॉर्ड तोड़ कराई के साथ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। वाइल्डफायर ब्लॉकबस्टर ने 4 हफ्तों में दुनियाभर में 1799 करोड़ की कमाई की। इसी के साथ पुष्पा 2 ने प्रभास की फिल्म ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली 2 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सैकिनिक के मुताबिक, बाहुबली 2 ने दुनियाभर में 1788.06 करोड़ रुपये का ग्राह कलेक्शन किया था।

पुष्पा 2 के मेकर्स ने फिल्म के बल्डवाइड कलेक्शन के बारे में अपेक्षित दिया है। मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्रिवर) पर पुष्पराज का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, पुष्पा 2 अपनी रिकॉर्ड तोड़ कराई के साथ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। वाइल्डफायर ब्लॉकबस्टर ने 4 हफ्तों में दुनियाभर में 1799 करोड़ की कमाई की। इसी के साथ पुष्पा 2 ने प्रभास की फिल्म ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली 2 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सैकिनिक के मुताबिक, बाहुबली 2 ने दुनियाभर में 1788.06 करोड़ रुपये का ग्राह कलेक्शन किया था।

## नीम की लकड़ी के कंधे से बालों को मिलेंगे

## ये 5 फायदे, जानें कैसे करें इस्तेमाल

बालों का सुलझाना होता है आसान

बालों की देखभाल के लिए सही कंधे का चुनाव बहुत अहम होता है। जो बालों की लकड़ी के कंधे का उपयोग आपके बालों के लिए विशेष लाभकारी हो सकता है। यह न केवल बालों को स्वस्थ रखता है इससे लेख में हम आपको बालों को जीवंत करने के लिए बालों को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

## बालों की जड़ों को बना सकता है

## मजबूत

नीम की लकड़ी को कंधों बालों की जड़ों को

मजबूत प्रदान करता है। जब आप इस कंधे से

अपने बाल संवारते हैं तो यह आपके स्क्रैल्प

पर हल्का मसाज करता है, जिससे रेक

संचार होता है। इससे आपको बालों की जड़ों

में मौजूद गंदगी और तेल को भी साफ

करता है। जिससे आपको बालों की जड़ों

में खोला जाता है। इसके अलावा यह खोल

स्वस्थ रखता है।

रस्सी और खुजली से दिला सकता है राहत

नीम अपने एंटी-बैक्टीरियल गुणों के लिए जाना जाता है, जो

रस्सी और खुजली जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता

है। जो नीम की लकड़ी का कंधा बालों की जड़ों

में धूमधारी फंसावा होता है, जो अपने

पर्यावरण को खुला रखता है। इससे आपको बालों की जड़ों

में खुला रखना होता है। इसके अलावा यह खोल

स्वस्थ रखता है।

बालों की जड़ों को बना सकता है

मजबूत

नीम की लकड़ी को कंधों बालों की जड़ों को

मजबूत प्रदान करता है। जब आप इस कंधे से

अपने बाल संवारते हैं तो यह आपके स्क्रैल्प

पर हल्का मसाज करता है, जिससे रेक

संचार होता है। इससे आपको बालों की जड़ों

में मौजूद गंदगी और तेल को भी साफ



## शुक्रवांडा नहर चलेगी फुल, गेज से किसानों को मिलेगा समय पर पर्याप्त पानी

भारतीय किसान संघ ने आयुक्त के प्रति आभार माना



और जल संसाधन विभाग के मुख्य अधिकारी आरआर भीना द्वारा नहर संचालन का निरीक्षण करने आए थे। इस दौरान भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने उक्त समस्या के बारे में आयुक्त को अवकाश कराया। इस पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और किसानों से पूछा कि इसका हल कैसे हो सकता है तो किसानों और अधिकारियों द्वारा कहा गया कि टेल क्षेत्र में एक स्थान पर अतिरिक्त नहर के पानी की निकासी का स्थान है परंतु बोते वर्षों में उस पर किसानों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। इसके कारण यह समस्या बनी हुई है। इस पर बात को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार मार्ग नगर को निर्देशित किया कि आप शीघ्र नहर विभाग के कर्मचारियों और पुलिस की अधिकारी के अंतिक्रमण को हटाएं और मुझे अवगत कराये। इसी तारीख में आयुक्त को आदेश अनुसार किसान संघ के अधिकारी एवं तहसीलदार मार्ग नगर को निकासी की निरीक्षण विभाग के कर्मचारियों और पुलिस की अधिकारी के अंतिक्रमण को हटाएं और मुझे अवगत कराये। अबलोकन करने वालों में भारतीय किसान संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सर्वजीव क्योंकि फुलगेज से चलाने के खेतों में जल दीवान, संभागीय प्रवक्ता उदय कुमार पांडेय, जिला अध्यक्ष ओमकार भराव होता था और गेज अनुसार नहर नहीं चलने के कारण हेड की राजपूत, जिंदें तोमर, राजेश दीवान बुजेश राजपूत लखन चौधरी गोपाल किया जा रहा है। शिविर में आकर नागरिक अपनी समस्याओं का समाधान कराया।

नर्मदापुरम। मार्गन नगर। (निप्र)। भारतीय किसान संघ विगत 10 वर्षों से नहर को फुल गेज से चलाने की मांग करते चला आ रहा है परंतु शुक्रवांडा नहर में टेल क्षेत्र में अतिरिक्त पानी निकासी नाती पर व्यक्त करते हुए आयुक्त को उक्त कार्य के लिये धन्यवाद प्रेषित किया। अबलोकन करने वालों में जल दीवान, संभागीय प्रवक्ता उदय कुमार पांडेय, जिला अध्यक्ष ओमकार भराव होता था और गेज अनुसार नहर नहीं चलने के कारण हेड की राजपूत, जिंदें तोमर, राजेश दीवान बुजेश राजपूत लखन चौधरी गोपाल किया जा रहा है। शिविर में आकर नागरिक अपनी समस्याओं का समाधान कराया।

## पचमढ़ी उत्सव में रंगरंग कार्यक्रमों की धूम

सांसद श्री चौधरी ने प्रातः रन पचमढ़ी में दौड़ लगाकर पर्यटकों को पचमढ़ी आने का न्योता दिया



पर्यटकों और प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लिया भाग लिया।

सायकलिंग, हाट बाजार से यु.हु. जो चर्च, कैंट कार्यालय, पुलिस थाना, औल्ड होटल, हवाई पट्टी, रीछगढ़ संगम दूर, राजेन्द्र निरी, नालदा योला से होते हुए आप बाजार में समाप्त हुई। इसी दिन रात्रि 8 बजे सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारेलिया ने पचमढ़ी महोत्सव में शिरकत की और कार्यक्रमों का आनंद लिया।

कार्यक्रम में नर्मदापुरम की प्रसिद्ध आकर्षण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वहाँ हास्य कवि हिमांशु बर्बंदर ने अपने हास्य मिश्रित कविता के अपने शब्दों से कार्यक्रम में समां वांध और लोगों को खुब गुदगिता। दर्शक हिमांशु बर्बंदर के हास्य कविताओं से सराहा हो गए। वहाँ 4 जनवरी की सुबह 8 बजे से प्रारंभ हुए पचमढ़ी नन्हे में लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ लगाकर प्रदेश की निनाता को महोत्सव की नामी पर्यटन स्थल पचमढ़ी में आने का और उसकी प्राकृतिक सौन्दर्य का लुफत उठाने का न्योता दिया।

आज आर्मी बैंड द्वारा दी जाएगी प्रस्तुति

पचमढ़ी महोत्सव के दूसरे दिन 04 जनवरी की शाम 06:45 बजे से सोनाएम राइड स्कूल पचमढ़ी के ग्राउंड में आर्मी बैंड द्वारा किया गया है। पचमढ़ी महोत्सव 2024-25 का आगाज कर्निवाल से शानदार प्रस्तुति दी जाएगी।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं सांसद माया नारेलिया पचमढ़ी उत्सव में हुए शामिल

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश का हिलेस्टेन नर्मदापुरम जिले का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पचमढ़ी सतपुड़ा की वादियों में बसा एक अद्भुत शहर है कहें तो एक ही जगह सम्पूर्ण पर्यटन है। यहाँ हर प्रकार का पर्यटन उपलब्ध है जहाँ हो रहे थे वह धार्मिक हो ग्राउंटिक, सांस्कृतिक या

## सीनियर आईएएस फैज अहमद किंदवई को महानिदेशक डीजी बनाए जाने पर बधाई

नर्मदापुरम। भोपाल (निप्र)। केंद्र सरकार ने अधिकारियों में फेरबदल किए हैं। नगर विभाग नर्मदापुरम का प्रमुख फैज अहमद किंदवई को नियुक्त किया गया है। फैज अहमद किंदवई को नियुक्त किया गया है। फैज अहमद किंदवई को नियुक्त किया गया है।

 केंद्र सरकार ने अधिकारियों में फेरबदल किए हैं। नगर विभाग नर्मदापुरम का प्रमुख फैज अहमद किंदवई को नियुक्त किया गया है। कृषि और किसान कल्याण विभाग में अतिरिक्त सचिव के पद से उन्हें अब डीजीसी में महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। श्री किंदवई की वायं होशंगाबाद और भोपाल से जुड़ी हुई है। उन्हें नई जिमेदारी मिलने पर नर्मदापुरम व भोपाल के अनेक लोगों ने बधाई शुभकामनाएं दी है। किंदवई कृषि और किसान कल्याण मांगाया एवं एडिशनल सेक्रेटरी थे। अब उन्हें मिनिस्ट्री आक रिविल एंड विएसएस में एडिशनल सेक्रेटरी की भूमिका रखनी है। अब उन्हें एक सौंपी गई है। नर्मदापुरम एवं भोपाल के विविध कार्यक्रमों में अवधारणा की भूमिका रखनी है। उन्हें एक विविध कार्यक्रम के अंत में नियुक्त किया गया है। श्री किंदवई की वायं होशंगाबाद और भोपाल से जुड़ी हुई है। उन्हें नई जिमेदारी मिलने पर नर्मदापुरम व भोपाल के अनेक लोगों ने बधाई शुभकामनाएं दी है। किंदवई कृषि और किसान कल्याण मांगाया एवं एडिशनल सेक्रेटरी थे। अब उन्हें मिनिस्ट्री आक रिविल एंड विएसएस में एडिशनल सेक्रेटरी की भूमिका रखनी है। उन्हें एक सौंपी गई है। नर्मदापुरम एवं भोपाल के विविध कार्यक्रमों में अवधारणा की भूमिका रखनी है। उन्हें एक विविध कार्यक्रम के अंत में नियुक्त किया गया है। श्री किंदवई की वायं होशंगाबाद और भोपाल से जुड़ी हुई है। उन्हें नई जिमेदारी मिलने पर नर्मदापुरम व भोपाल के अनेक लोगों ने बधाई शुभकामनाएं दी है। किंदवई कृषि और किसान कल्याण मांगाया एवं एडिशनल सेक्रेटरी थे। अब उन्हें मिनिस्ट्री आक रिविल एंड विएसएस में एडिशनल सेक्रेटरी की भूमिका रखनी है। उन्हें एक सौंपी गई है। नर्मदापुरम एवं भोपाल के विविध कार्यक्रमों में अवधारणा की भूमिका रखनी है। उन्हें एक विविध कार्यक्रम के अंत में नियुक्त किया गया है। श्री किंदवई की वायं होशंगाबाद और भोपाल से जुड़ी हुई है। उन्हें नई जिमेदारी मिलने पर नर्मदापुरम व भोपाल के अनेक लोगों ने बधाई शुभकामनाएं दी है। किंदवई कृषि और किसान कल्याण मांगाया एवं एडिशनल सेक्रेटरी की भूमिका रखनी है। उन्हें एक सौंपी गई है। नर्मदापुरम एवं भोपाल के विविध कार्यक्रमों में अवधारणा की भूमिका रखनी है। उन्हें एक विविध कार्यक्रम के अंत में नियुक्त किया गया है। श्री किंदवई की वायं होशंगाबाद और भोपाल से जुड़ी हुई है। उन्हें नई जिमेदारी मिलने पर नर्मदापुरम व भोपाल के अनेक लोगों ने बधाई शुभकामनाएं दी है। किंदवई कृषि और किसान कल्याण मांगाया एवं एडिशनल सेक्रेटरी की भूमिका रखनी है। उन्हें एक सौंपी गई है। नर्मदापुरम एवं भोपाल के विविध कार्यक्रमों में अवधारणा की भूमिका रखनी है। उन्हें एक विविध कार्यक्रम के अंत में नियुक्त किया गया है। श्री किंदवई की वायं होशंगाबाद और भोपाल से जुड़ी हुई है। उन्हें नई जिमेदारी मिलने पर नर्मदापुरम व भोपाल के अनेक लोगों ने बधाई शुभकामनाएं दी है। किंदवई कृषि और किसान कल्याण मांगाया एवं एडिशनल सेक्रेटरी की भूमिका रखनी है। उन्हें एक सौंपी गई है। नर्मदापुरम एवं भोपाल के विविध कार्यक्रमों में अवधारणा की भूमिका रखनी है। उन्हें एक विविध कार्यक्रम के अंत में नियुक्त किया गया है। श्री किंदवई की वायं होशंगाबाद और भोपाल से जुड़ी हुई है। उन्हें नई जिमेदारी मिलने पर नर्मदापुरम व भोपाल के अनेक लोगों ने बधाई शुभकामनाएं दी है। किंदवई कृषि और किसान कल्याण मांगाया एवं एडिशनल सेक्रेटरी की भूमिका रखनी है। उन्हें एक सौंपी गई है। नर्मदापुरम एवं भोपाल के विविध कार्यक्रमों में अवधारणा की भूमिका रखनी है। उन्हें एक विविध कार्यक्रम के अंत में नियुक्त किया गया है। श्री किंदवई की वायं होशंगाबाद और भोपाल से जुड़ी हुई है। उन्हें नई जिमेदारी मिलने पर नर्मदापुरम व भोपाल के अनेक लोगों ने बधाई शुभकामनाएं दी है। किंदवई कृषि और किसान कल्याण मांगाया एवं एडिशनल सेक्रेटरी की भूमिका रखनी है। उन्हें एक सौंपी गई है। नर्मदापुरम एवं भोपाल के विविध कार्यक्रमों में अवधारणा की भूमिका रखनी है। उन्हें एक विविध कार्यक्रम के अंत में नियुक्त किया गया है। श्री किंदवई की वायं होशंगाबाद और भोपाल से जुड़ी हुई है। उन्हें नई जिमेदारी मिलने पर नर्मदापुरम व भोपाल के अनेक लोगों ने बधाई शुभकामनाएं दी है। किंदवई कृषि और किसान कल्याण मांगाया एवं एडिशनल सेक्रेटरी की भूमिका रखनी है। उन्हें एक सौंपी गई है। नर्मदापुरम एवं भोपाल के विविध कार्यक्रमों में अवधारणा की भूमिका रखनी है। उन